GDP के मामले में अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा भारत : रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एशिया की उन 10 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है जो 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद अर्थात् GDP के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ देंगे। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व वर्ल्ड बैंक द्वारा भी एक रिपोर्ट जारी की गई थी जिसके अनुसार, भारत दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

क्या कहा गया है रिपोर्ट में?

- GDP के मामले में अमेरिका को पीछे छोड़ने वाले देशों में भारत के अलावा चीन, हॉन्गकॉन्ग, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताईवान और थाईलैंड शामिल हैं।
- DBS (Development Bank of Singapore) की रिपोर्ट के अनुसार, 2030 तक इन एशियाई देशों की कुल GDP 28.35 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो जाएगी। जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका की कुल GDP 22.33 ट्रिलियन डॉलर रहेगी।

GDP में वृद्धि के बावजूद बनी रहेगी चिंता
व्यापार युद्ध:

- संरक्षणवाद का उदय इस क्षेत्र में निवेश प्रवाह को कम कर सकता है क्योंकि एशिया सबसे बाहरी रूप से उजागर क्षेत्रों में से एक है।
- DBS के अनुसार, व्यापर युद्ध एशियाई अर्थव्यवस्था पर व्यापक स्तर पर प्रभावित कर सकताहै।

जनसांख्यिकीय लाभांश (Demographic Dividend)

- डीबीएस की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एशियाई देशों को जनसांख्यिकीय लाभांश से अतीत में लाभ हो सकता है, लेकिन अब यह इतना मूल्यवान नहीं है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि सिंगापुर, जापान और चीन जैसे बुजुर्ग देश नई तकनीक के सक्रिय उपयोग के माध्यम से जनसांख्यिकीय लाभांश को पूरा करने में सक्षम हो सकते हैं।

रोजगार

- युवा आबादी नौकरियां सृजित करने के मामले में एक "चुनौती" का निर्माण करती है, नौकरियों की अनुपस्थिति में बेरोज़गारी का स्तर उच्च होगा जिसके चलते आर्थिक और सामाजिक/राजनीतिक चुनौतियाँ भी उत्पन्न होंगी।
- रिपोर्ट के अनुसार, भारत और फिलीपींस जैसे देशों को अपनी युवा आबादी के लिये रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता होगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-9-other-asian-nations-to-pip-us-in-gdp